RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 7, अंक:05, रविवार, 15 फरवरी 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

"राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

» टीचर्स ऑफ बिहार के "लेट्स टॉक" कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

बीएनएम @ मोतिहारी

मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन

प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार.....

श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, "ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।" सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।" श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, "सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है।" श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा, "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।"

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन....

लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि—

- परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।
- मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।
- पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं।
- समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार.....

श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं,बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय...

कार्यक्रम मे सामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक बुलेटिन
www.aapkiawaaznews.in

आप की आवाज

नई दिल्ली, समस्तीपुर से एक साथ प्रकाशित
तेज खबर तेज असर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

वर्षः 04 | अंक : 296 | रविवार 15 फरवरी 2026 | पृष्ठ – 06 | मूल्य : 3 रूपये

"राष्ट्रीय आय–सह–मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के लेट्स टॉक कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

अमरदीप नारायण प्रसाद

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम ह्लेट्स टॉकह्व का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार.....

श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती हैह्व

सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ह्लयह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। श्री मनोज बेसरा (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, ह्लसही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास–ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी हैह्व

श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा, ह्लराष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए

अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन....

लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि–

* परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।
* मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।
* पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं।
* समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार....

श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा" केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय...

कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा" की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके।

शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

हिन्दी दैनिक

आशंका बुलेटिन

RNI NO-UPHIN/2011/39067

लखनऊ से प्रकाशित

Email-ashankabulletin000@gmail.com

वर्ष- 15 अंक- 212 • लखनऊ, रविवार, 15 फरवरी 2026 • पृष्ठ-4 मूल्य- 1 रूपया • महामहिम राष्ट्रपति को दिया वृन्दावन रामकृष्ण...

'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा' पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के 'लेट्स टॉक' कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम 'लेट्स टॉक' का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार......

श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा,

'ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।'

सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा,

'यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।'

श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा,

'सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास-ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है।'

श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा,

'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रशन्पत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक हैं। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।'

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन.....

लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि-

ङ परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।

ङ मानसिक क्षमता के प्रशनें के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।

ङ पुराने प्रशन्पत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन है।

ङ समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेकिन्कल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार.....

श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि 'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा' केवल छात्रवृत्ति योजना नही,बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम हैं। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय....

कार्यक्रम मे सामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा 'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा' की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके।

शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

विदिशा जागरण

प्रदेश का निर्भीक समाचार पत्र

प्रधान संपादक : आर. के. वासुदेव (बॉस)

भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, सागर से प्रसारित

प्रबंध संपादक - योगेंद्र वासुदेव , स्थानीय संपादक - के. के. आचार्य

Email : rkstudio.vds@gmail.com

■ वर्ष : 08, अंक : 191, मूल्य 2 रु., पृष्ठ : 8 ■ विदिशा, रविवार 15 फरवरी - 2026

सह संपादक : राकेश कुमार विश्वकर्मा

सुविचार

■ गलत तो बहुत से लोगो के साथ होता है पर ये आप के ऊपर है आप उसे सही कैसे करते है।

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

विदिशा जागरण पटना मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम «लेट्स टॉक» का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार.... श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, «ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा «यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।»

श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, «सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। श्री शैलेन्द्र शेखर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा, «राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।»

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन..... लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि— * परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें। * मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है। * पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं। * समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार..... श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि «राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा» केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय.... कार्यक्रम मे सामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा «राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा» की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

मुजफ्फरपुर हिन्दी साप्ताहिक

मौर्य ध्वज एक्सप्रेस

खबरों का संसार

RNI NO:- BIHHIN/2017/74970

15 फरवरी 2026 (रविवार) मुजफ्फरपुर | वर्ष -9 अंक-06 | मूल्य- रु. 2/- कुल पृष्ठ-8

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के लेट्स टॉक कार्यक्रम मे विशेषज्ञो ने दिए सफलता के सूत्र

डॉ. बिपिन बिहारी मौर्य, को-ऑर्डिनेटर मौर्य ध्वज एक्सप्रेस, में।

पटना।

मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम लेट्स टॉक का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया। विशेषज्ञों के विचार...... श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, सही

दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास– ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा, राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है। विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन..... लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि– परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें। * मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है। * पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं। * समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेकिनकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार..... श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं,बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय.... कार्यक्रम मे सामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

शिवबारात के अवसर बस्तियों के स्वागत के @ पेज 03

एक खंडहर बने घर में दो मासूमों साथ जीवन जीने पर @ पेज 04

खेल भावना के साथ बिहार में समृद्धि बढ़े: सम्राट चौधरी @ पेज 07

रविवासरीय

ख़बरों की तह तक

www.khabronkitahtak.com

निडर और निष्पक्ष

वर्ष 13 | अंक 07 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5:00 | देवघर, रविवार, 15 फरवरी, 2026   RNI. NO.: JHAHIN/2014/55540

वेटिंग्स के कमेंट को क्रिएटिव रिव्यू मानती है शनाया @ पेज 10

'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा' पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के 'लेट्स टॉक' कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

खबरों की तह तक

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम 'लेट्स टॉक' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार

योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।

मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा, राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है। विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।

मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है। पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं। समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि 'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा' केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं,बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय कार्यक्रम मे सामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा 'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा' की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएं, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार खरे एवं दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, बिहार से प्रसारित
www.newsparivahan.com
परिवहन विशेष
Parivahan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023
वर्ष 03, अंक 347, नई दिल्ली, रविवार 15 फरवरी 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

महा शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

03 शिव और शक्ति के मिलन का महापर्व है महाशिवरात्रि।
06 बचपन वास्तविकता और कल्पना में उलझा हुआ है
08 गोवा में क्षतिग्रस्त सड़क पर आसान नहीं होगी वाहनों पत्थरों पर चलने के लिए

"राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

परिवहन विशेष न्यूज

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम "लेटस टॉक" का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार......

श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा,

"ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।"

सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा,

"यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।"

श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा,

"सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है।"

श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा,

"राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।"

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन.....

लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि

* परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।

* मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।

* पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन है।

* समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार.....

श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय....

कार्यक्रम मे सामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा" की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके।

शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के लेट्स टॉक कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम लेट्स टॉक का सफल आयोजन किया गया` कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।मौके पर गोपालगंज जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेश कुमार ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।वहीं एससीईआरटी के पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक सैयद अब्दुल मोइन ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। बीईओ मनोज बोस ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा कि सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। विषय विशेषज्ञ शैलेन्द्र शंखधर ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं शिव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षाह्व केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं,बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार खरे एवं दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

चंपारण की धड़कन, देश की पहचान। RNI NO-BIHHIN/2022/89222
www.champarankesari.com
Email: champarnkeshari@gmail.com

चम्पारण केसरी

पूर्वी चम्पारण
15 फरवरी 2026
वर्ष : 4, अंक :212
रविवार
पृष्ठ संख्या : 08
मूल्य:2 रुपए

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा'' पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के "लेट्स टॉक'' कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

मोतिहारी। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, "सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है।शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।

पटना में "लेटस टॉक" लाइव संवाद, छात्रवृत्ति परीक्षा को लेकर छात्रों को मिला मार्गदर्शन

e न्यूज़ संवाददाता

मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा के प्रति जागरूक करने और सही दिशा देने के उद्देश्य से पटना में ज्मंबीमते वठिपींत द्वारा विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किए।

इस संवाद कार्यक्रम में एससीईआरटी बिहार तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों ने छात्रों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा स्वरूप, तैयारी की रणनीति एवं छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला शिक्षा पदाधिकारी गोपालगंज योगेश कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन से विद्यार्थियों की सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। वहीं एससीईआरटी के पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक सैय्यद अब्दुल मोइन ने कहा कि यह परीक्षा विद्यार्थिय ों में तार्किक क्षमता, समझ एवं विश्लेषण ा कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास के अवसर के रूप में देखने की सलाह दी।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज बोस ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए समय पर पंजीकरण, सही दस्तावेज एवं नियमित अभ्यास को सफलता की कुंजी बताया। वहीं विषय विशेषज्ञ शैलेन्द्र शंखधर ने अवधारण ात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास एवं समय प्रबंधन को तैयारी के लिए आवश्यक बताया।

कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोगी जानकारी मिली तथा इससे उनमें परीक्षा को लेकर जागरूकता एवं उत्साह बढ़ा है।